अध्याय - 11 | पृथिव्यां त्रीणि रत्नानि

QUIZ PART-02

1. पृथिव्यां वास्तविकानि त्रीणि रत्नानि कानि सन्ति?
   A. स्वर्णं रजतं हीरकं च
   B. विद्या धनं बलं च
   C. जलम् अन्नं सुभाषितं च
   D. वृक्षाः पर्वताः नद्यश्च (C)

व्याख्या : श्लोक में जल, अन्न और सुभाषित को पृथ्वी के तीन वास्तविक रत्न कहा गया है।

2. मूढाः केषु रत्नसंज्ञां विधीयन्ते?
   A. पाषाणखण्डेषु
   B. सुभाषितेषु
   C. पुस्तकेषु
   D. अन्नकणेषु (A)

व्याख्या : मूर्ख लोग पत्थर के टुकड़ों को ही रत्न मानते हैं।

3. सम्पूर्णा वसुधा केषां कृते कुटुम्बकम् अस्ति?
   A. मूढानाम्
   B. लघुचेतसाम्
   C. स्वार्थिनाम्
   D. उदारचरितानाम् (D)

व्याख्या : उदार चरित्र वाले लोगों के लिए पूरी पृथ्वी एक परिवार है।

4. "अयं निजः परो वेति" इति गणना केषां भवति?
   A. विदुषाम्
   B. लघुचेतसाम्
   C. वीराणाम्
   D. उदारचरितानाम् (B)

व्याख्या : अपना और पराया मानने की सोच संकुचित मन वाले लोगों की होती है।

5. 'वसुधैव' इत्यस्य उचितः पदच्छेदः कः?
   A. वसु + धैव
   B. वसुधै + व
   C. वसुधा + एव
   D. वसु + धा + एव (C)

व्याख्या : 'वसुधैव' का पदच्छेद 'वसुधा एव' होता है।

6. 'परो वेति' इत्यस्य पदच्छेदः कः?
   A. परः + वा + इति
   B. परो + वेति
   C. पर + एव + इति
   D. परः + वे + इति (A)

व्याख्या : पदच्छेद करने पर 'परो वेति' का रूप 'परः वा इति' बनता है।

7. उदारस्वभावस्य मुख्यं चिन्तनं किम्?
   A. केवलं स्वजनाः महत्त्वपूर्णाः
   B. धनमेव सर्वश्रेष्ठम्
   C. पाषाणाः एव रत्नानि
   D. सम्पूर्णा पृथ्वी परिवारः (D)

व्याख्या : उदार व्यक्ति सभी लोगों को अपने परिवार के समान मानता है।

8. 'पाषाणखण्डेषु' इत्यस्य हिन्दी-अर्थः कः?
   A. जल के पात्रों में
   B. पत्थर के टुकड़ों में
   C. भोजन के कणों में
   D. सुंदर वचनों में (B)

व्याख्या : 'पाषाण' का अर्थ पत्थर और 'खण्ड' का अर्थ टुकड़ा है।

9. 'रत्नसंज्ञा विधीयते' इत्यस्य भावः कः?
   A. रत्न नाम दिया जाता है
   B. रत्न नष्ट किया जाता है
   C. रत्न खरीदा जाता है
   D. रत्न छिपाया जाता है (A)

व्याख्या : इसका अर्थ है कि किसी वस्तु को रत्न की संज्ञा प्रदान की जाती है।

10. प्रथमसुभाषितानुसारं पृथिव्यां रत्नानां संख्या कति?
    A. पञ्च
    B. चत्वारि
    C. त्रीणि
    D. षट् (C)

व्याख्या : श्लोक में पृथ्वी पर तीन वास्तविक रत्न बताए गए हैं।